ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2026

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-21	2026-02-22	2026-02-23	2026-02-24	2026-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	31.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	17.0	17.0	17.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	45	38	35	37
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	27	23	23	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	1	1	1	1
पवन दिशा (डिग्री)	61	41	264	355	55
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 16.0 से 18.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 01-03 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आने वाले दिनों में कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई सलाह नहीं

सामान्य सलाहकार:

दिन के तापमान की परिस्थितियों को देखते हुए फसलों की पानी की आवश्यकता बढ़ सकती है।इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों, सब्जियों, फलों आदि में नमी की कमी के लक्षण दिखने पर समय पर सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्श प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों की फसल परिपक्वता के करीब या अभी भी परिपक्व अवस्था में हो सकती है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि जब फलियाँ पीली हो जाए और पत्तियाँ गिर जाएँ तो कटाई शुरू कर दें ताकि नुकसान से बचा जा सके।
गेहूँ	समय पर बोयी गयी गेंहूं की फसल अभी दुधिया अवस्था में हैं और इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई करना अति आवश्यक है।
चना	किसानों को सलाह दी जाती है कि वर्षा आधारित क्षेत्र में बोई गई चना की फसल अगर पक गई है तो उसकी कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें। ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	किसान भाई जीरे की फसल में बीज बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई करें।
लौकी	लोकी की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, पंजाब कोमल। लोकी की बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 60 किलो नत्रजन, 100 किलो फास्फोरस व 80 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
तुरई	For the sowing of bottle gourd, improved varieties are: Pusa Samr, Pusa Naveen, Pusa Megdut and Punjab Komal and seed rate should be 4-5 kg per hectare. Recommended dose of fertilizer for N: P: K is 60, 100 and 80 kg per hectare at the time of last plowing.
मिर्च	मिर्च की फसल के लिए हरीपुर-रायपुर, आर.सी-1, मथानिया लोकल, पूसा ज्वाला व पंत सी-1 उन्नत किस्मों की पोधशाला में बुवाई करें। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पौध तैयार करने हेतु एक से डेढ किलो बीज पर्याप्त रहता है। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए पशु का पूरा दूध पूर्ण हस्त विधि से निकालें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई सलाह नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details